"वर्तमान भारतीय जनता पार्टी पर एकात्ममानववाद चिंतन के प्रभाव का अध्ययन"

अध्ययन कर्ता

कपिल अवस्थी
शोध छात्र, राजनीति विज्ञान विभाग, ब्रह्मावर्त पीजी कॉलेज मंधना कानपुर

डॉ पुष्पेंद्र कुमार सिंह
प्रोफेसर एवं विभाग अध्यक्ष
शोध निर्देशक, राजनीतिक विज्ञान विभाग
ब्रह्मावर्त पीजी कॉलेज मंधना कानपुर नगर

सारांश:-

दीनदयाल उपाध्याय जी की विचारधारा ने भाजपा को एक समाज कल्याणकारी और राष्ट्रीय उद्देश्यों के लिए समर्थ पार्टी बनाया है। उपाध्याय जी के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए, भाजपा ने समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए काम किया है और एक समृद्ध और समरस समाज की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है।

दीनदयाल जी अब हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके विचार और सिद्धांत आज भी देश के सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण हैं और संपूर्ण भारत और विश्व को एक नया एकात्मता रूपी प्रकाश दे रहे है। उनके विचारो में विश्व को 'एक' कर वसुधैव कुटुंबकम् की भावना का तेज छुपा हुआ है।

प्रस्तावना:-

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चिंतन में एकात्म मानववाद का विशेष महत्व था, जिसने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को गहराई से प्रभावित किया। उनकी सोच की मुख्य धारा मानव केंद्रिय और समाज में समरसता की दिशा में थी। उनके विचारों का अध्ययन करने से हमें उनके समाजशास्त्रीय,

राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण समझने में मदद मिलती है। वर्तमान केंद्र और राज्य सरकारों में सत्ता के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी पर पंडित जी के एकात्म मानववाद के विशेष प्रभाव को समझने का प्रयास किया जा रहा है। दीनदयाल उपाध्याय जी (1916–1968) एक कुशल भारतीय राजनीतिज्ञ और समाजसेवी थे, जिन्होंने अपने जीवन में समाज के लिए काम किया। उनका जन्म 25 सितंबर 1916 को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के नगला चंद्रभान गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम भीमराव था।

उनके सिद्धांतों का अध्ययन कर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व को नई दिशा मिलती है और समाज को विकसित करने के लिए नए अवसरों का निर्माण होता है।

दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों को विस्तार से समझने के लिए हमें उनके मुख्य सिद्धांतों का अवलोकन करने की आवश्यकता है:

1. **एकात्म मानववाद:- (Integral Humanism):-** उनका मुख्य विचार था कि मानव केंद्रित दृष्टिकोण से ही समाज का विकास संभव है। उन्होंने सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक क्षेत्रों में मानवीयता को मजबूत करने की बात की। उपाध्याय जी ने श्रृष्टि के केंद्र में मनुष्य को रखा और मनुष्य को उसकी असीम शक्तियों से परिचित कराकर उसके सही लक्ष्य को पहचानने में मनुष्य को एकात्म मानव वाद रूपी समग्रता का रास्ता दिखाया ।
2. **अन्त्योदय:- (Antyodaya):-** उन्होंने गरीबों, कमजोरों और अनाथों तक पहुंच बढ़ाने की बात की। समाज में सबका विकास करने के लिए उन्होंने सामाजिक न्याय के मूल्यों को बढ़ावा दिया।
3. **स्वदेशी:- (Swadeshi):-** उन्होंने स्वदेशी आंदोलन को समर्थन दिया, जिसका उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था को स्वतंत्र बनाना था।
4. **राष्ट्रीय एकता:- (National Unity):-** उन्होंने राष्ट्रीय एकता को महत्वपूर्ण माना और भारतीय समाज की एकता और अखंडता की बात की।

इन सिद्धांतों के माध्यम से उन्होंने समाज में समरसता, समानता, और समृद्धि को बढ़ाने का उत्साह दिया और एक सामर्थ्यवान भारत की स्थापना के लिए अपनी योजना बनाई।

वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की सरकारों पर दीनदयाल जी के इन मानवीय सुधार के सिद्धांतों का व्यापक और गहरा असर दिखाई पड़ता है तभी आज वर्तमान केंद्रीय सरकार के द्वारा और कई राज्य सरकारों के द्वारा, जो भारतीय जनता पार्टी के द्वारा सत्ता में स्थापित है उनके द्वारा आज भारत में कई सरकारी योजनाएं दीनदयाल उपाध्याय जी के नाम पर चल रही हैं, जिनमें से कुछ निम्नलिखित हैं:

1. **दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना:-** यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत कनेक्शन प्रदान करने के लिए शुरू की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में बिजली की आपूर्ति को बढ़ाना है।
2. **दीनदयाल उपाध्याय आधारशिला भवन योजना:-** इस योजना का उद्देश्य गरीब और असहाय लोगों के लिए सस्ते और विशेषज्ञता से बनाए गए आवासों को प्रदान करना है।
3. **दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना:- (DDUGKY):-** इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करना है, और ग्रामीण युवाओं को उनकी कौशलों के आधार पर प्रशिक्षित करना है।

ये योजनाएं दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों और मूल्यों पर आधारित हैं और समाज में समरसता और समृद्धि को बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं।

दीनदयाल उपाध्याय शोध केंद्र भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया एक अनुसंधान संगठन है। इसका मुख्य उद्देश्य उत्तर भारतीय क्षेत्रों में शोध और विकास को प्रोत्साहित करना है। यह केंद्र विभिन्न शोध कार्यों को समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करता है, जो उत्तर भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। यहाँ प्रकृति, सामाजिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, वित्तीय विकास, और अन्य क्षेत्रों में शोध कार्य किया जाता है।

दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों का प्रभाव भारतीय जनता पार्टी पर गहराई से दिखता है। पंडित दीनदयाल जी के आदर्शों, जैसे एकात्म मानववाद और अन्त्योदय, ने पार्टी के नीतियों और कार्यक्रमों को दिशा दिया है। उनकी सोच ने भारतीय जनता पार्टी को गरीबों और कमजोरों के हित में काम करने की दिशा में प्रेरित किया है। भाजपा के नेतृत्व में, उनके सिद्धांतों ने सरकारी योजनाओं और कदमों को इस दिशा में अग्रसर किया है ताकि विकलांगों, गरीबों, और असहाय वर्गों को सहायता प्राप्त हो सके।

निःसंदेह, दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों का प्रभाव भारतीय जनता पार्टी के नीतिगत और राजनीतिक दृष्टिकोण पर भी पड़ा है। उनके एकात्म मानववाद के सिद्धांत के आधार पर, भाजपा ने समाज में समरसता, सामाजिक समानता, और समृद्धि के लिए कई योजनाएं और कदम आगे बढ़ाए हैं। इसके अलावा, उनके गरीबों और कमजोरों के हित में विशेष ध्यान देने के सिद्धांत ने पार्टी के राजनीतिक और सामाजिक अभियानों को मजबूत किया है। उनके विचारों के आधार पर, भाजपा ने गरीबी उन्मूलन, उत्थान के लिए उपयुक्त नीतियों का अधिनियम किया है और देश के विकास के लिए प्रयास किया है।

वर्तमान में केंद्र सरकार के द्वारा चलाई जा रही एक बहुत ही महत्वपूर्ण योजना "गरीब कल्याण अन्न योजना" जिसके अंतर्गत देश के 80 करोड़ लोगों को प्रति व्यक्ति 5 किलो राशन प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है यह योजना निश्चित रूप से भारत के गरीबों के लिए उनके जीवन को सरल बनाती है और उनको दो वक्त की रोटी प्रदान करती है। इस योजना के मूल में भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के गरीब कल्याण और अंत्योदय को ऊपर उठाने का विचार छुपा हुआ है। सरकार के द्वारा चलाई जा रही यह योजना निश्चित रूप से दीनदयाल जी के विचारों पर ही आगे बढ़ रही है और भारतीय जनता पार्टी के गरीबों, पिछड़ों और वंचितों के प्रति उनके कुशल नीतियों और समर्पण भाव को दर्शाती है।

उनके सिद्धांतों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी ने विभिन्न क्षेत्रों में योजनाओं को लागू किया है, जैसे किसानों के लिए कृषि सुधार, उद्योगों के लिए उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए नीतियाँ, और सामाजिक क्षेत्र में विकास को समर्थन करने के लिए योजनाएं। उनके विचारों ने भाजपा को एक समाज कल्याणकारी दल के रूप में उभारा है, जो समाज के सभी वर्गों के विकास के प्रति समर्पित है। इसके अलावा, भाजपा ने उनकी विचारधारा को स्वीकार करते हुए, राष्ट्रीय एकता और विकास की दिशा में नई योजनाओं और प्रोग्रामों का शुभारंभ किया है।

उनकी इस विचारधारा से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व में "अटल बिहारी वाजपेई सरकार" ने कई महत्वपूर्ण कार्य और योजनाएं शुरू की। कुछ प्रमुख कार्य और योजनाएं निम्नलिखित है:

1. राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना:- (National Highways Development Project - NHDP)
अटल बिहारी वाजपेई सरकार ने देश के विभिन्न हिस्सों को जोड़ने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तारीकरण किया। विशेष रूप से "गोल्डन क्वाड्रिलेट्रल" परियोजना का शुभारंभ किया गया, जिसमें दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई

और कोलकाता को जोड़ने वाले प्रमुख राजमार्गों को विकसित किया गया। इस परियोजना ने भारत के सड़क नेटवर्क को बेहतर बनाया और देश के विकास में योगदान दिया।

2. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना:- (Golden Quadrilateral Project)

इस परियोजना का उद्देश्य चार प्रमुख महानगरों को जोड़ने वाले राजमार्गों का निर्माण करना था, ताकि व्यापार और परिवहन के मामले में सुधार हो सके। यह परियोजना भारतीय विकास के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई।

3. भारत सरकार की ऊर्जा नीति:-

अटल बिहारी वाजपेई सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में कई सुधार किए। भारत सरकार ने "सार्वजनिक-निजी भागीदारी" (PPP) मॉडल के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में सुधार किए। इसके तहत बिजली उत्पादन और वितरण के लिए नई योजनाएं लागू की गईं।

4. अटल पुनर्निर्माण योजना:- (Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation - AMRUT)

यह योजना शहरी क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए शुरू की गई। इसके अंतर्गत जल आपूर्ति, सीवरेज, जल निकासी और हरित क्षेत्र विकसित करने पर जोर दिया गया।

5. भारत विकास के लिए "वाइब्रेंट इंडिया":-

अटल सरकार ने "वाइब्रेंट इंडिया" की संकल्पना को आकार दिया, जिसमें भारत की सांस्कृतिक धरोहर, कला और विज्ञान को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई। इसमें शिक्षा, विज्ञान, और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और सुधार की दिशा में काम किया गया।

6. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना:- (PMGSY)

अटल बिहारी वाजपेई सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के नेटवर्क को विकसित करने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) शुरू की। इस योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में सड़कों का निर्माण हुआ, जिससे ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिला और ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार हुआ।

7. सार्वजनिक वितरण प्रणाली:- (Public Distribution System - PDS) में सुधार

बीजेपी सरकार ने खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए कई सुधार किए। इसके अंतर्गत खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तर पर योजनाएं बनाई गईं।

8. आर्थिक सुधार:-

अटल बिहारी वाजपेई सरकार के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में कई सुधार किए गए, जिनमें प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) को बढ़ावा देना, विनिवेश नीति को लागू करना और सार्वजनिक क्षेत्रों के सुधार शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत में आर्थिक विकास की गति तेज हुई।

9. सैन्य और सुरक्षा में सुधार:-

अटल सरकार ने भारतीय रक्षा बलों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए। इसके अंतर्गत परमाणु परीक्षण (1998 का पोखरण परमाणु परीक्षण) किया गया, जिससे भारत को एक परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित किया गया। इसके अलावा, सुरक्षा व्यवस्था में सुधार करने के लिए सैन्य उपकरणों और संसाधनों को आधुनिक बनाने की दिशा में काम किया गया।

10. स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में सुधार:-

अटल बिहारी वाजपेई सरकार ने स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में कई योजनाएं शुरू कीं। विशेष रूप से, "स्वास्थ्य के अधिकार" (Right to Health) और "शिक्षा का अधिकार" (Right to Education) पर जोर दिया गया। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाएं और स्कूलों की स्थिति में सुधार किया गया।

11. नवीनतम प्रौद्योगिकी और सूचना क्रांति:-

अटल बिहारी वाजपेई सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (IT) और टेलीकॉम सेक्टर में सुधार किए। सरकार ने "इंडिया इन्फोटेक" योजना शुरू की, जिससे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ और भारत को वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख IT हब के रूप में स्थापित किया गया।

12. कृषि क्षेत्र में सुधार:-

कृषि क्षेत्र के लिए कई योजनाओं को लागू किया गया। इनमें किसानों के लिए क्रेडिट उपलब्ध कराने के लिए नई योजनाएं, और कृषि उत्पादों के मूल्य में सुधार के लिए योजनाएं शामिल थीं।
अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाते हुए, "समाजवाद और विकास के समन्वय" की दिशा में कई योजनाओं और कार्यों को लागू किया। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य देश के हर वर्ग का समग्र विकास सुनिश्चित करना था, विशेषकर गरीब और पिछड़े वर्गों के लिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों का व्यापक प्रभाव देखा गया है। नरेंद्र मोदी जी ने उपाध्याय जी के सिद्धांतों को अपनाया है और उनकी विचारधारा को अपने नेतृत्व में समाहित किया है।

1. **गरीबी हटाओ:-** नरेंद्र मोदी जी ने गरीबी उन्मूलन को अपनी प्राथमिकता बनाया है, जैसे कि ग्रामीण क्षेत्रों में नल-से-जल योजनाएं और गरीबी से मुक्ति के लिए योजनाएं।
2. **समाजिक समानता:-** उनकी सरकार ने विभिन्न उपायों के माध्यम से समाज में समानता को बढ़ावा दिया है, जैसे कि उत्कृष्ट शिक्षा प्रोत्साहन और गरीब वर्गों के लिए आर्थिक सहायता योजनाएं।

3. **स्वदेशी अर्थव्यवस्था:-** नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित किया है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सके। जैसे- "लोकल फॉर वोकल।"
4. **राष्ट्रीय एकता:-** उनके नेतृत्व में, भाजपा ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए कई पहल की हैं। जैसे- पड़ोसी देशों का सम्मान और उनके साथ मजबूत और अच्छे संबंध स्थापित करना।
5. **आत्मनिर्भरता:-** देश के युवाओं को स्वरोजगार उत्पन्न करके स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिर्फ प्रेरित ही नही किया गया बल्कि युवाओं को सरकार की तरफ से उनके रोजगार और व्यापार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता और सुविधा उपलब्ध कराई गई।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीति के एक महान विचारक और समाज सुधारक थे, जिनकी "एकात्म मानववाद" और "पंचायती राज" जैसी अवधारणाएं आज भी भारतीय राजनीति और समाज में प्रासंगिक हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने इन विचारों को अपने शासन की नीतियों में महत्वपूर्ण स्थान दिया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रभावित होकर, मोदी सरकार ने कई योजनाओं को लागू किया है, जिनका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

नरेंद्र मोदी सरकार के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रभावित प्रमुख योजनाओं में निम्नलिखित हैं:

1. प्रधानमंत्री जन धन योजना:- (PMJDY)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना चाहिए। इसी विचारधारा को ध्यान में रखते हुए, नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014 में प्रधानमंत्री जन धन योजना शुरू की। इसका उद्देश्य हर भारतीय नागरिक को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना था, खासकर उन लोगों को जो अब तक वित्तीय सेवा से बाहर थे। इस योजना के तहत गरीबों के लिए बैंकों में मुफ्त बैंक खाते खोले गए, जिससे उन्हें वित्तीय समावेशन का लाभ मिला।

2. प्रधानमंत्री आवास योजना:- (PMAY)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने हमेशा गरीबों की भलाई के लिए काम करने की बात की थी। प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य "हर घर को पक्का घर" देना है। इस योजना के तहत, गरीबों और निम्न आय वर्ग के लोगों को सस्ते और किफायती घर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह योजना शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में लागू की गई है।

3. स्वच्छ भारत मिशनः- (SBM)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुसार, समाज की स्वच्छता और स्वस्थ्य जीवन को प्रोत्साहित करना अत्यंत आवश्यक है। मोदी सरकार ने 2014 में स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य भारत को गंदगी और अपशिष्ट मुक्त बनाना था। यह अभियान न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों का निर्माण करता है, बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी सफाई व्यवस्था को सुधारने का प्रयास करता है।

4. प्रधानमंत्री उज्जवला योजनाः- (PMUY)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि गरीबों को सही और स्वस्थ जीवन जीने के अवसर मिलने चाहिए। इसके तहत प्रधानमंत्री उज्जवला योजना शुरू की गई, जो महिलाओं को रसोई गैस (एलपीजी) कनेक्शन देने के लिए थी। यह योजना गरीब परिवारों की महिलाओं को स्वच्छ ईंधन की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके और उन्हें धुएं से बचाव मिल सके।

5. मुद्रा योजनाः- (MUDRA)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने "स्वावलंबन" और "स्वदेशी" का जोर दिया था। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (MUDRA) 2015 में शुरू की गई, जिसका उद्देश्य छोटे और मध्यम उद्यमों (SMEs) को सस्ता और सुगम

वित्तीय समर्थन प्रदान करना था। इसके तहत, शुरुआत करने वाले छोटे व्यवसायों को ऋण दिया जाता है, ताकि वे अपनी योजनाओं को सही दिशा में चला सकें और स्वावलंबी बन सकें।

6. किसान सम्मान निधि योजना:- (PM-KISAN)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने हमेशा ग्रामीण भारत और किसानों की भलाई पर जोर दिया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत, मोदी सरकार ने किसानों को वित्तीय सहायता देने की योजना बनाई। इस योजना के तहत, छोटे और सीमांत किसानों को 6,000 रुपये प्रति वर्ष सीधे उनके बैंक खातों में दिए जाते हैं, ताकि वे अपनी खेती की लागत को कम कर सकें और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

7. कौशल विकास योजना:- (Skill Development)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुसार, रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देना आवश्यक था, ताकि युवा पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इसी सोच को लेकर मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना शुरू की। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि वे रोजगार के अवसरों से जुड़ सकें और अपने जीवन स्तर को सुधार सकें।

8. आयुष्मान भारत योजना:- (PMJAY)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुसार, समाज के सबसे गरीब और वंचित वर्ग को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलना चाहिए। इसी उद्देश्य से, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जो भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना है। इसके तहत, 10 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जाता है, ताकि वे महंगे इलाज से बच सकें।

9. किसान क्रेडिट कार्ड योजना:- (KCC)

किसानों को सस्ते और सुलभ ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किसान क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की गई। इस योजना के तहत, किसान बिना किसी परेशानी के बैंकों से उधार लेकर अपनी कृषि गतिविधियों को चला सकते हैं। यह योजना पंडित दीनदयाल उपाध्याय के कृषि विकास और किसानों की स्वावलंबन की सोच को ध्यान में रखते हुए बनाई गई थी।

नरेंद्र मोदी सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाकर गरीबों, किसानों, महिलाओं और समाज के अन्य वंचित वर्गों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देना, आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना और अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

इस प्रकार, नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने दीनदयाल उपाध्याय जी के सिद्धांतों को आधार बनाकर समाज में समरसता, समानता, और समृद्धि के लिए कई कदम उठाए हैं।

निष्कर्ष:-

दीनदयाल उपाध्याय और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) दोनों ही भारतीय राजनीति और समाज के अहम प्रभावक हैं।

दीनदयाल उपाध्याय भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में से एक थे। उन्होंने एकात्म मानववाद सिद्धांत को प्रवर्तित किया और समाज में समरसता के लिए काम किया। उनका योगदान राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में विशेष माना जाता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारतीय राष्ट्रवादी संगठन है जो सन 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित किया गया था। यह संघ भारतीय समाज में राष्ट्रीय चेतना और सेवा को बढ़ावा देता है और स्वयंसेवकों को शैक्षिक, सामाजिक, और धार्मिक शिक्षा प्रदान करता है। इसके सदस्य और संगठनाध्यक्ष भारतीय राष्ट्रवादी विचारधारा को बढ़ावा देते हैं और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा करते हैं।

दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय राजनीति और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवम भारतीय जनता पार्टी, भारतीय समाज में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सेवा, और राष्ट्रीय चेतना को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका मुख्य उद्देश्य भारतीय समाज को समृद्ध, समरस, और समर्पित बनाना है।[1]

दीनदयाल उपाध्याय जी ने गरीबों और कमजोरों के हित में काम किया और उनके विकास के लिए कई योजनाएं बनाई।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय समाज को स्वदेशी भावना, सेवा भावना, और राष्ट्रीय प्रेम के साथ जोड़ा। यह दोनो भारतीय संस्कृति और धार्मिकता को बढ़ावा देते है और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए समाज को संगठित करते है।

इनके आदर्शों और सिद्धांतों ने भारतीय समाज को सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका संयुक्त प्रयास भारतीय समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और दीनदयाल उपाध्याय जी के बीच एक गहरा संबंध है। उपाध्याय जी भाजपा के संस्थापकों में से एक थे और उन्होंने पार्टी के आदर्शों और मूल्यों का प्रचार किया। भाजपा ने उपाध्याय जी के आदर्शों को अपनाया है और उनकी विचारधारा को पार्टी के नीतिगत और कार्यक्रमीय निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका दी है।

उपाध्याय जी के सिद्धांतों, जैसे एकात्म मानववाद और अन्त्योदय, ने भाजपा की विचारधारा को प्रेरित किया है और पार्टी के कार्यक्रमों को समाज के गरीब और कमजोर वर्गों के हित में निर्देशित किया है। उपाध्याय जी के विचारों का प्रभाव भाजपा के नीतिगत और सामाजिक अभियानों में दिखाई देता है, जैसे कि गरीबी उन्मूलन, सामाजिक समानता, और राष्ट्रीय एकता के लिए काम।

इस तरह, उपाध्याय जी की विचारधारा ने भाजपा को गरीबों, किसानों, और कमजोर वर्गों के मुद्दों पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया है। इसके फलस्वरूप, भाजपा ने विभिन्न क्षेत्रों में योजनाएं शुरू की हैं जो गरीबी को कम करने, किसानों को समर्थन प्रदान करने, और समाज में समरसता को बढ़ावा देने के लिए हैं।

दीनदयाल उपाध्याय जी का नाम राष्ट्रीय एकता और भारतीय संस्कृति के प्रमुख संरक्षक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने एकात्म मानववाद की बात की और देश की समृद्धि और सुरक्षा के लिए कठोर प्रयास किये। विस्तृत अध्ययन के पश्चात यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी दीनदयाल जी और उनके विचार एकात्म मानववाद को अपना कर अपनी सभी योजनाओं और क्रियाओं में उसे प्रकाशित कर रही है।

संदर्भ ग्रंथ सूची:-

1. **आडवाणी लालकृष्ण, (2008) मेरा देश मेरा जीवन, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली**
2. **यादव भगत सिंह, (2011) युगपुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय, जागृति प्रकाशन, नोएडा**
3. **सिंह अमरजीत, (2017) मैं दीनदयाल बोल रहा हूं, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली**
4. **दीक्षित हृदय नारायण, पंडित दीनदयाल उपाध्याय दृष्ट दृष्टि और दर्शन, अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज**
5. **डॉ दुबे मनीषा, भारतीय राजनीति में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, संकल्प प्रकाशन, बिलासपुर**

समाचार पत्र:-

1. **हिंदुस्तान टाइम्स**
2. **दैनिक जागरण**
3. **अमर उजाला**

Web References:

1. https://www.xn--i1bj3fqcyde.
2. https://www.xn--i1bj3fqcyde.
3. https://dfpd.gov.in/Home

4. **पीएम-किसान सम्मान निधि**

https://services.india.gov.in/service/detail/pm-kisan-samman-nidhi

5. https://www.bankofbaroda.in/hi-in/personal-banking/loans/pradhan-mantri-mudra-yojana **प्रधान मंत्री मुद्रा योजना।**

6. https://pmjdy.gov.in/hi-scheme **प्रधान मंत्री जन धन योजना।**